डाॅक्टर, धरती पर भगवान का दूसरा रूप - सरिता दीदी

धमतरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय धमतरी के तत्वाधान में 01 जुलाई राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में आत्म अनूभूति तपोवन में 'मेडिटेशन एक शक्तिशाली दवा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डाॅ. राकेश सोनी, हड्ीरोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय धमतरी, डाॅ. नवीन साहू, जनरल सर्जन, धमतरी क्रिश्चिन अस्पताल धमतरी, डाॅ. नेहा साहू, स्त्रीरोग विशेषज्ञ धमतरी क्रिश्चिन अस्पताल धमतरी, डाॅ. गौरव साहू, हड्ीरोग विशेषज्ञ, धमतरी क्रिश्चिन अस्पताल धमतरी, डाॅ. वरिन्दर नन्दा, निजी चिकित्सक, धमतरी, डाॅ. रामसुख यादव, निजी चिकित्सक धमतरी, ब्रह्माकुमारी प्राजक्ता, राजयोग शिक्षिका धमतरी, ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी संचालिका ब्रह्माकुमारीज जिला - धमतरी।

मुख्य वक्ता के रूप में ब्रह्माकुमारी प्राजक्ता बहन ने कहा कि मानव समाज में डाक्टर का स्थान ईश्वर के समकक्ष रखा गया है। जिस प्रकार हम किसी मरीज के बिमारी का ईलाज करते हैं तो अपनी सुरक्षा का सम्पूर्ण बंदोबस्त करते है। ताकि बीमारी का प्रभाव हम पर ना पड़े उसी प्रकार बीमार व्यक्ति के मानसिक स्थित उसके दुःख, दर्द तकलीफ से हम व्यथित न हो जाए इसके लिए मानसिक व भावनात्मक रूप से हमे स्वंय मजबूत शक्तिशाली बनाना होगा। सम्पूर्ण स्वास्थय के लिए हमें शारीरिक, मानसिक, समाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है इनमें से यदि हम आध्यात्मिक रूप से शक्तिशाली होते है तो बाकि तीनो स्वास्थ्य को प्राप्त करना सहज हो जाता है। आध्यात्मिक स्वास्थ्य की पहली सीढी है स्वंय की सत्य पहचान आत्मा जो इस सम्पूर्ण शरीर को चलाने वाली सत्ता है उसके बारे में जानना और अनुभव करना। उसके बाद आत्मा की शक्ति मन को सुमन बनाना इसके लिए सकारात्मक श्रेष्ठ विचारो का चिंतन करना नकारात्मक और व्यर्थ विचार जैसे बीती बातें, व्यर्थ की पुरानी बातो को मन में पकड कर रखने से मन बोझिल, थका हुआ, निराशा और उदासी से भरा हुआ रहता है। सकारात्मक विचारो से मन एकाग्र होता है। अंत मंे एकाग्र और हल्के मन से अपना संबंध सर्वशक्तिवान परमात्मा से जोड़ना, परमात्मा जो सर्वशक्तियों का सागर है उससे जुडने के बाद हम स्वंय में हर परिस्थिति में शक्ति का अनुभव करेगे। हमारी कार्यक्षमता और कार्यव्यवहार दोनो बढेगें। इस प्रकार मेडिटेशन एक शक्तिशाली दवा की तरह हमारे भीतर कार्य करने लगती है।

ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी जी ने कहा कि आजकल बीमारी के प्रभाव को देखते हुए ऐसा लगता है कि रोज ही डाक्टर डे हो रहा है बिना डाक्टर और दवाईयों के कोई दिन, महीना बीत ही नही रहा है। प्रतिवर्ष हजारो की संख्या में नए डाक्टर मेडिकल कालेजो से पढ़कर समाज में आ रहे है फिर भी अस्पताल मे मरीजो और बीमारीयां और ही बढती जा रही है। इसका कारण शरीर की बिमारी का ईलाज तो हो रहा है लेकिन बीमारीयो का जो मूल है

मानसिक अस्वस्थता उसका निराकरण किसी मेडिकल कालेज में किसी चिकित्सालय में नही किया जा रहा है। स्वंय पर नियंत्रण स्वास्थ्य का मूल है। जो मेडिटेशन द्वारा संभव है मेडिटेशन एक शुद्ध विचारो की एक श्रृख्ला है जिसके माध्यम से उस परम सत्ता सुप्रीम सर्जन से जुड सकते है। डाक्टर जिसे धरती पर भगवान का दूसरा रूप माना गया है लेकिन धन कमाने की लालसा मे कई लोगो ने इसे बदनाम कर दिया। संसार में दुआ से बडा कोई दवा नही हम दुआ के लिए दवा दे जहां दुआएॅ है वहां धन भी है, शांति भी है, सुख और शांति भी है।

डा. राकेश सोनी ने कहा कि जो हमारे पास होता है वही हम दूसरो को देते है। प्रेम से अच्छी दवा और कोई नही उन्होने अपना मांउट आबू के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वहां जाकर मैने देखा कि कैसे प्रेम, धीरज और शांति का प्रेक्टिकल जीवन में कार्य व्यवहार करते ब्रह्माकुमारी बहने और भाईयो ने धारण किए हुए है। उनसे मुझे भी बहुत प्रेरणा मिली है।

डा. गौरव साहू जी ने कहा कि मेडिटेशन एक दरवाजा है जहां से हम सम्पूर्ण स्वास्थ्य को प्राप्त कर सकते है उन्होने ब्रह्माकुमारी बहनो की सराहना की इस प्रकार के आयोजन के लिए।

डा. वरीन्दर नन्दा जी ने कहा कि ब्रह्माकुारीज से जुडने के बाद मुझे ज्ञात हुआ कि आत्मा संस्कार लेकर आती है और दुआएॅ लेकर जाती है। अगर दुआएॅ आपके पास है तो संसार की सारी वस्तुएॅ आपको सुख शंाति खुशी सब देगी। मेडिटेशन हमारे विचारो को नियंत्रण करने में सहयोग प्रदान करता है और विचार हमारे कर्मो की दिशा तय करते है। इस समय सारे विश्व मे ब्रह्माकुमारीज एक रूहानी अस्पताल की तरह कार्य कर रहा है।

डा. रामसुख यादव जी ने ब्रम्ह्मकुमारीज की ओर से आए हुए सभी अतिथीगणो एवं श्रोताओ का आभार प्रकट किया सभी चिकित्सको को फूल माला पहनाकर एवं ईश्वरीय सौगात प्रदान कर सम्मान किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा ब्रह्माकुमारी नवनीता बहन के स्वागत गीत से हुआ। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी जागृति बहन ने किया।